B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

প্রশ্নপত্রেঽস্মিন্ Group-'A' and Group-'B' ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে। প্রথমত: পরীক্ষার্থিভি: সাবধানতয়া স্বপঠিত একো বিভাগো নিশ্চেতব্য:। ততশ্চ যথা নির্দেশং প্রশ্না: সমাধাতব্যা:।

এই প্রশ্নপত্রে Group-'A' এবং Group-'B'-এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-'A'

Basic Sanskrit

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু *পঞ্চানাং* প্রশ্নানাম্ উত্তরং দেবনাগরীলিপিমাশ্রিত্য সুরগিরা প্রদেয়ম্। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) নিম্নলিখিতেষু পদেষু কস্যচিৎ *পদদ্বয়স্য* বচনং বিভক্তিং চ নিরূপয়ত।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।

দেবানাম্, মুনিভি:, সাধৌ, ভ্রাতরম্।

(b) নিম্নলিখিতেষু *দ্বয়ো:* দ্বিতীয়াদ্বিবচনে রূপং লিখত।

নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়াবিভক্তির দ্বিবচনের রূপ লেখো।

অস্মদ্, সখি, ধেনু, অক্ষি।

(c) অধস্তনেষু দ্বয়ো: লোটি মধ্যমপুরুষদ্বিবচনে রূপং লেখনীয়ম্।

নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লোট্ লকারের মধ্যম পুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।

দৃশ্, পচ্, সেব্, গম্

(d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयो: पुरुषं वचनं च निर्दिशत।

নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতু রূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।

কুরু, গচ্ছেযু:, অভবন্, সেবে।

(e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पद्वयं लिख्यताम्।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।

पाणिपादम्, राजपथ:, वैयाकरण:, यथाविधि।

(f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।

যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।

(i) साधव: मिथ्या न _____ (वदति/वदन्ति)

(ii) त्वं किं _____? (करोषि/करोति)

(g) ग्रामान्तरं गमनकाले क: ब्रह्मदत्तस्य सहायक: अभवत्? स: सहायक: कुत आनीत:?

গ্রামান্তরে গমনকালে কে ব্রহ্মদত্তের সহায়ক হয়েছিলেন? ওই সহায়ককে কোথা থেকে আনা হয়েছিল?

(h) ब्रह्मदत्त: कुत्र प्रसुप्त: अभवत्? प्रबुद्ध: सन् स: किम् अपश्यत्?

ব্রহ্মদত্ত কোথায় ঘুমিয়েছিলেন? জাগরণের পর তিনি কী দেখেছিলেন?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।

নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃত ভাষায় বাক্যগঠন করো।

अश्वौ, सभायाम्, मुने:, मया, यश्यसि, अपठत्, सर्वे।

(b) पञ्चानां वाक्यानां संशोधनं कुरुत।

যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।

(i) राजा न्यायेन प्रजान् शास्ति।

(ii) ते वाक्यं मह्यं न रोचते।

(iii) वृद्धस्य प्राण: अस्थिरो भवति।

(iv) रामचन्द्र: पितास्य आदेशेन वनं गत:।

(v) चत्वार: बालिका: नृत्यन्ति।

(vi) साधुनां हृदयं पवित्र:।

(vii) अतिथ्य: फलान् खादन्ति।

(c) मातृभाषायामनुवद।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

तं दृष्ट्वा व्यचिन्तयत् कर्कटेनायं हत:। इति प्रसन्नो भूत्वाब्रवीत्–भो: सत्यमभिहितं मम मात्रा यत् पुरुषेण कोऽपि सहाय: कार्यो नैकाकिना गन्तव्यम्। यतो मया श्रद्धापूरितचेतसा तद्वचनमनुष्ठितम्। तेनाहं कर्कटेन सर्पव्यापादनाद् रक्षित:।

(d) ब्राह्मीलिप्यां नासिक्यवर्णा: लेख्या:।

নাসিক্যবর্ণগুলি ব্রাহ্মীলিপিতে লেখো।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

নির্দেশ অনুসারে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) मातृभाषया अनावादो विधेय:।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

सूर्योऽस्तं गत:। क्रमेण निशागता। तमसावृते कानने स पान्थ: पथभ्रान्त: अभवत्। सहसा दूरात् आलोकं दृष्ट्वा स तदभिमुखं सरति स्म। समीपमागत्य स एकं कुटीरमपश्यत्। नितरां परिश्रान्त: स:। रात्रौ विश्रामार्थं किमपि स्थानमावश्यकमासीत् तस्य। स द्वारसमीपमागत्य कपाटे कराघातमकरोत्। सहसा द्वारे उन्मोचिते दीपहस्तां काञ्चित् नारीं दृष्ट्वा सोऽतीव विस्मितोऽभवत्।

(b) संस्कृतभाषया अनुवाद: करणीय:।

সংস্কৃতভাষায় অনুবাদ করো।

আজ প্রভাতে শয্যা ত্যাগ করে আমি সরোবরের নিকটস্থ উদ্যানে ভ্রমণ করতে গিয়েছিলাম। তখন সূর্য উদিত হয়েছিল এবং তৃণের উপর শিশির বিন্দুগুলি শোভা পাচ্ছিল। মৃদুমন্দ বাতাস বইছিল এবং পাখিরা মধুর কূজন করছিল। কিছুক্ষণ ইতস্ততঃ ভ্রমণ করে আমি শীতল সমীরণে সুখ অনুভব করলাম।

(c) अधोलिखितानां ब्राह्मीलिप्यां परिवर्तनं विधेयम्।

অধোলিখিত বাক্যগুলিকে ব্রাহ্মীলিপিতে পরিবর্তিত করো।

(i) अलस: दु:खं लभते।

(ii) बालक: विद्यालयं गच्छति।

(iii) सदा सत्यं वद।

(iv) तानि मधुराणि फलानि।

(v) भ्रमरा: पुष्पेभ्य: मधु पिबन्ति।

(d) 'भो: सत्यमभिहितं मम मात्रा'– अत्र मात्रा किम् अभिहितम्? मातु: वचनमनुसृत्य वक्ता कथं रक्षित: अभवत्? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपाद्यताम्।

'भो: सत्यमभिहितं मम मात्रा'— এখানে মা কী বলেছিলেন? মায়ের কথা শুনে বক্তা কীভাবে রক্ষা পেয়েছিলেন তা পঠিত কথানক অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group-'B'

Ethical and Moral Issues

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) शाल्मली तरु: कुत्र अस्ति? तत्र के निवसन्ति?

শিমূল বৃক্ষ কোথায় আছে? সেখানে কারা বসবাস করে?

(b) कपोतराजस्य नाम किम्? आकाशे परिभ्रमन् स: किमवलोकयामास?

কপোতরাজের নাম কী? আকাশে পরিভ্রমণ করতে করতে সে কী দেখেছিল?

(c) पथिक: केन प्रकारेण प्राणान् तत्याज?

পথিক কীভাবে প্রাণ ত্যাগ করেছিল?

(d) 'सखे! अस्माकं प्राक्तनजन्मकर्मण: फलमेतत्'– कं प्रति कस्योक्तिरियम्? तत् फलं किमासीत्?

'सखे! অস্মাকং প্রাক্তনজন্মকর্মণ: ফলমেতত্'— কে কাকে একথা বলেছে? ওই ফলটি কী ছিল?

(e) शरीरगुणयो: प्रभेद: प्रतिपादनीय:।

শরীর ও গুণের মধ্যে পার্থক্য নির্ণয় করো।

(f) पिङ्गलसञ्जीवकयो: परिचय: प्रदीयताम्।

পিঙ্গলক ও সঞ্জীবকের পরিচয় দাও।

(g) दुन्दुभिं निकषा गत्वा शृगाल: किमचिन्तयत्?

দাদামার নিকট গিয়ে শৃগাল কী চিন্তা করেছিল?

(h) राजदेवयो: पार्थक्यं निरूप्यताम्।

রাজা ও দেবতার মধ্যে কী পার্থক্য?

2. अधोलिखितेषु *द्वयो:* प्रश्नयो: समाधानं कर्तव्यम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

सुजीर्णमन्नं सुविचक्षण: सुत:
सुशासिता स्त्री नृपति: सुषेवित:।
सुचिन्त्य चोक्तं सुविचार्य्य यत् कृतं
सुदीर्घकालेऽपि न याति विक्रियाम्।।

Or,

पर्यन्तो लभ्यते भूमे: समुद्रस्य गिरेरपि।
न कथञ्चिन्महीपस्य चिन्तान्त: केनचित् क्वचित्।।

(b) *कस्यचिदेकस्य* सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

धनानि जीवितञ्चैव परार्थे प्राज्ञ उत्सृजेत्।
सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति।।

Or,

न विश्वासं विना शत्रुर्देवानामपि सिध्यति।
विश्वासात् त्रिदशेन्द्रेण दितेर्गर्भो विदारित:।।

(c) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि।

उपयुक्त পদ দিয়ে শূন্যস্থান পূরণ করো।

(भद्राणि, संहतिः, सुभृत्यस्य, ललाटे, बुद्ध्या)

(i) लिखितमिह _____ प्रोज्झितुं कः समर्थः।

(ii) अल्पानामपि वसूनां _____ कार्यसाधिका।

(iii) न संशयमनारुह्य नरो _____ पश्यति।

(iv) कार्यं संसिद्धिमभ्येति यथा _____ प्रसाधितम्।

(v) स्वाम्यादेशात् _____ न भीः सञ्जायते क्वचित्।

(d) कः यथार्थः पण्डितः?

কে যথার্থ জ্ঞানী?

3. यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। $10\times2=20$

যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

(a) 'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः'– इत्यत्र 'मारात्मकः' कः? केन मारात्मके विश्वासः कृतः? कथं मारात्मकेन विश्वासः समुत्पादितः? विश्वासस्य फलं किमभवत्? $1+1+4+4=10$

'তন্ময়া ভদ্রং ন কৃতং যদত্র মারাত্মকে বিশ্বাসঃ কৃতঃ'— এখানে 'মারাত্মকঃ' কে? কে 'মারাত্মকঃ' কে বিশ্বাস করেছিল? 'মারাত্মকঃ' কীভাবে বিশ্বাস উৎপাদন করেছিল? বিশ্বাসের ফল কী হয়েছিল?

(b) पठितकथामनुसृत्य 'मित्रलाभः' इति नामकरणस्य सार्थकतां निरूपयत। 10

পঠিত কথার অনুসরণে 'মিত্রলাভঃ' এই নামকরণের সার্থকতা নিরূপণ করো।

(c) 'विपत्काले विस्मय एव कापुरुषलक्षणम्, तदत्र धैर्य्यमवलम्ब्य प्रतिकारश्चिन्त्यताम्'– इत्यत्र केषां विपदः कथा उल्लिखिता? विपदः परित्राणं कथमभवत्? इति पठितकथामाधारीकृत्य वर्णयत। $2+8=10$

'বিপত্কালে বিস্ময় এব কাপুরুষলক্ষণম্, তদত্র ধৈর্যমবলম্ব্য প্রতিকারশ্চিন্ত্যতাম্'— এখানে কাদের বিপদের কথা উল্লিখিত হয়েছে? বিপদ থেকে পরিত্রাণ কীভাবে পাওয়া গেছে তা পঠিত কথাকে অনুসরণ করে বর্ণনা করো।

(d) 'पिङ्गलक आह– यद्येवं तर्ह्यमात्यपदेऽध्यारोपितस्त्वम्'– इत्यत्र कः अमात्यपदे अध्यारोपितः? कथं सः श्रेष्ठः अमात्यः अभवत्? इति शृगालदुन्दुभिकथामुररीकृत्य विशदयत। 2+8=10

'पिङ্গলক আহ-- যদ্যেবং তর্হ্যমাত্যপদেঽধ্যারোপিতস্ত্বম্'— এখানে কে অমাত্য পদে নিয়োজিত হয়েছিল? কীভাবে সে শ্রেষ্ঠ অমাত্য হয়েছিল তা 'শৃগালদুন্দুভিকথা'র অনুসরণে বিস্তারিত আলোচনা করো।